ICAI के वार्षिक उत्सव में माननीय अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

दुनिया की सबसे बड़ी अकाउंटिंग संस्था **"द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया"** के 74वें वार्षिक दिवस समारोह का हिस्सा बनकर मुझे आज अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। आपके अनेक कार्यक्रमों में अक्सर मैं आप लोगों के बीच होता हूँ। ICAI मेरे लिए एक परिवार की तरह है।

आज इस अवसर पर मैं देश भर के सभी चार्टेड अकाउन्टेन्टस को बधाई देता हूँ, आपको अनेक शुभकामनाएं देता हूँ।

करीब 75 वर्ष पहले वर्ष 1949 में भारत की संसद ने एक अधिनियम पास कर **ICAI** 'इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' की स्थापना की थी।

देश के संविधान को अपनाने से पहले ही बना यह संस्थान हमारे देश की उज्ज्वल विकास यात्रा का गवाह रहा है। यह प्रतिष्ठित संस्थान देश की गौरवशाली उपलब्धियों का सहभागी रहा है।

इन 75 वर्षों में भारत को आर्थिक रूप से सशक्त एवं समृद्ध बनाने में ICAI ने अति महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन 75 वर्षों में देश में जो सामाजिक-आर्थिक बदलाव हुआ है, उसमें **ICAI** जैसे संस्थानों ने अपना योगदान दिया है।

मुझे बताया गया है कि आज ICAI के करीब 4 लाख मेम्बर और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स हैं, यह आज विश्व का सबसे बड़ा लेखा संगठन है। आई.सी.ए.आई. में 8 लाख से अधिक विद्यार्थी हैं और 2 लाख से ज्यादा सहायक कर्मचारी हैं। ये सभी मिलकर इसे एक बड़ा ऑडिट परिवार बनाते हैं।

गर्व की बात है कि ICAI, अंतर्राष्ट्रीय लेखाकार महासंघ, दक्षिण एशियाई लेखाकार महासंघ और एशियाई एवं प्रशांत लेखाकारों के परिसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक है।

लेखा-कार्य के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए आईसीएआई ने विगत दशकों में जो कार्य किए हैं, मैं उसके लिए आप सभी मेम्बर्स की सराहना करता हूँ।

ICAI ने देश में फाइनेंशियल रिपोर्टिंग के साथ-साथ एथिकल प्रैक्टिस के लिए मानकों को निर्धारित करने का भी काम किया है। देश के विभिन्न फाइनेंशियल सेक्टर्स में वित्तीय रिपोर्टिंग, लेखा परीक्षा, कॉर्पोरेट

फाइनेंस, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, फाइनेंस मॉडलिंग, इक्विटी रिसर्च, कोष प्रबंधन, क्रेडिट विश्लेषण, पूंजी बाज़ार, मध्यस्थता, जोखिम प्रबंधन, प्रबंधन अकाउंटिंग, इंफॉर्मेशन सिस्टम ऑडिट, निगम कानून, डायरेक्ट टैक्स, इन-डायरेक्ट टैक्स जैसे कितने ही काम है जिनको लेकर आपकी संस्था काम करती है।

समय-समय पर जब भी संसद कोई विशेष बिल लेकर आती है, तब भी कई बार आपकी संस्थान के सुझाव संसद को प्राप्त होते रहते हैं। निश्चित रूप से आईसीएआई एक डाइनैमिक संस्था है और चार्टर्ड एकाउंटेंसी एक डाइनैमिक पेशा है।

पिछले कुछ वर्षों में, जैसे – जैसे हमारी अर्थव्यवस्था अधिक सशक्त हुई है, आपका यह संस्थान भी अधिक सशक्त, अधिक समर्थ व सक्षम हुआ है। आज accountancy के कार्य में भी तकनीक और डिजिटलाइजेशन का समावेश हुआ है।

और यह खुशी की बात है कि **ICAI** नई तकनीक और प्रौद्योगिकी के अनुसार काम कर रही है। भारत की नई शिक्षा नीति – 2020 को ध्यान में रखकर ICAI अपने शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यक्रम को और अधिक उपयोगी बना रही है।

भारत आज दुनिया की 5वीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है, और कई अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों का अनुमान है कि भारत जल्दी ही दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

आज दुनिया में सबसे ज़्यादा ऑनलाइन ट्रांजेक्शन भारत में हो रहे हैं। भारत के पास अपना 'रूपे' ग्लोबल पेमेंट नेटवर्क है। आज 70 करोड़ भारतीयों के पास रूपे कार्ड हैं। नेपाल, भूटान, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात में भारत का 'रुपे कार्ड' चलता है। भारत का UPI सिस्टम अब यूरोपीय देशों में भी काम कर रहा है।

भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट अप इको सिस्टम डवलप हुआ है। 1 लाख 20 हज़ार से ज़्यादा स्टार्ट अप्स और 115 से ज़्यादा यूनिकॉर्न के साथ आज भारत दुनिया की स्टार्ट अप राजधानी बनने की ओर आगे बढ़ रहा है।

भारत में हर दिन 80 स्टार्ट अप्स को मान्यता मिल रही है और हर 10वें दिन में हमारे यहाँ एक यूनिकॉर्न तैयार हो रहा है। इन स्टार्ट-अप्स को आगे बढ़ाने में और व्यापार समुदाय के विकास में सीए की भूमिका व्यापक है।

सॉफ्टवेयर से लेकर हेल्थ सेक्टर तक, ऑटोमोबाईल से लेकर एआई तक, मशीन से लेकर मेडिकल तक... आज हमारा देश हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहा है। हर फील्ड में नए मौके बन रहे हैं। देश में ड्रोन से लेकर सेमी कंडक्टर और अंतरिक्ष तकनीकी तक...लगातार सुधार हो रहे हैं।

जीएसटी, इनसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड़, प्रगतिशील टैक्स, पीएम गतिशक्ति, व्यापार के लिए सिंगल विंडो सिस्टम जैसे सुधारों से भारत निवेश और व्यवसाय की संभावनाओं में विस्तार हुआ है। इन सबके बीच लेखाकारों (अकाउन्टेन्ट्स) की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है।

आज हमारा देश भारत दुनिया में विशेष पहचान रखता है। हम विकासशील से पूर्ण विकसित बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

चंद्रयान-3 की चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग, आदित्य एल-वन मिशन का सफल होना, जी-20 प्रेसीडेंसी जैसी उपलब्धियां बताती हैं कि आज का भारत दुनिया में किसी से कम नहीं है।

पिछले कुछ वर्षों में स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, पीएम स्वनिधि, मुद्रा लोन, स्किल इंडिया जैसे अभियानों, योजनाओं और कार्यक्रमों से देश में बड़े स्तर पर आर्थिक गतिशीलता आई है।

मुद्रा लोन पाने वालों में 8 करोड़ लोग ऐसे हैं, जिन्होंने जीवन में पहली बार अपना कारोबार/बिजनेस शुरू किया है। और जब कोई व्यक्ति मुद्रा लोन लेता है, तो खुद तो रोजगार पाता है, एक या दो और लोगों को भी रोजगार देता है। इसी तरह देश में लाखों स्ट्रीट वेंडर्स को पीएम स्वनिधि योजना से लोन मिला है।

इन 10 वर्षों में देश में इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए करीब 44 लाख करोड़ रुपए का बजटरहा है। इससे देश में बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण हुआ है, रोजगार बढ़ा है, अर्थव्यवस्था को गति मिली है।

आज हमारा देश मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च और इनोवेशन का हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ग्रीन एनर्जी, हाइड्रोजन एनर्जी की दिशा में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में देश में अभूतपूर्व निवेश हो रहा है। आने वाले समय में देश में Quality Job की संभावनाएं बहुत बढ़ने वाली हैं। Industry 4.O Revolution का समय आ रहा है। ऐसे समय में chartered accountants की जिम्मेदारी भी बढ़ने वाली है।

प्रिय साथियों, आपको जानकारी होगी कि देश में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने वालों की संख्या करीब 8 करोड़ हो चुकी है। पिछले साल नवंबर तक 7 करोड़ 85 लाख लोगों ने ITR फाइल किया था।

अब इससे एक साल पहले की बात करें तो, 2022-23 के लिए ITR फाइल करने वालों की संख्या करीब 6 करोड़ 85 थी।

यानि एक साल में एक करोड़ लोग बढ़ गए। एक साल में एक करोड़ अधिक लोगों ने आईटीआर फाइल की। इससे पता चलता है कि देश की फाइनैन्शल ग्रोथ और awareness आज तेजी से बढ़ रही है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स देश के आर्थिक परिदृश्य के वास्तुकार होते हैं। ICAI ने भारत के आर्थिक विकास की कहानी को आगे बढ़ाया है, और आपके हाथों से ही नए भारत की विकास गाथा लिखी जाएगी।

देवियो और सज्जनो, जब भी हम आत्मनिर्भर भारत का सपना देखते हैं तो हमारे देश के नौजवान, देश के प्रोफेशनल्स उस सपने के आधार होते हैं।

आज भारत के युवा, भारत के प्रोफेशनल्स पूरी दुनिया में छाए हुए हैं। अमेरिका से लेकर यूरोपीय देशों तक हर जगह भारत के प्रोफेशनल्स नेतृत्व कर रहे हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियों और संस्थानों में भारत के नौजवान सीईओ बनकर वहाँ नेतृत्व कर रहे हैं।

जिस देश में 65 प्रतिशत आबादी युवाओं की हो, जिस देश में दुनिया का सबसे बड़ा accounting organization (लेखा संगठन) हो, जिस देश में आप जैसे ऊर्जावान, चरित्रवान, देश और समाज के लिए कुछ करने की चाह रखने वाले प्रोफेशनल्स हो; उस देश के लिए कुछ भी हासिल कर पाना मुश्किल नहीं है।

आज ICAI के इस प्रतिष्ठित मंच पर मैं आप सभी से यह अपील करता हूँ कि आप देश में वित्तीय जागरूकता (financial awareness) को और बढ़ाने के लिए काम करें।

आप जनसाधारण को ITR फाइल करने और टैक्स जमा कराने के लिए जागरुक करें।

आप देखें कि आपके आस पास, आपके संपर्क में ऐसे कितने लोग हैं, जिनकी इनकम टैक्स के दायरे में आती है, लेकिन वो इनकम टैक्स नहीं भरते। उन लोगों को जागरुक करें, उन्हें आइटीआर भरने से होने वाले लाभ आप बताएं, इसके लिए प्रेरित करें।

आप जानते हो कि देश को जो Tax मिलता है, वो देश के विकास के काम में आता है। टैक्स के पैसे से ही देश की प्रगति होती है और टैक्स का पैसा ही हमारी जनकल्याणकारी योजनाओं में भी खर्च होता है। हम जानते हैं कि भारत में एक बड़ी आबादी ऐसी है, जिसे अनाज से लेकर गैस सिलेंडर तक, दवा से लेकर इलाज तक का सहयोग किया जाता है, ताकि देश को समता और समावेशी विकास के मार्ग पर लाया जा सके।

टैक्स के पैसे से किसी ज़रूरतमन्द महिला को गैस connection मिलता है, इन्हीं पैसों से बुजुर्गों को पैंशन, किसानों को सहयोग राशि मिलती है।

इन्हीं पैसों से नौजवान को स्वरोजगार मिलता है, बच्चों को सरकारी संस्थानों में शिक्षा मिलती है और बड़ी इंडस्ट्री विकसित की जाती है। सड़क बनाई जाती है, बिजली-पानी का प्रबंध किया जाता है।

करोड़ों देशवासियों तक मूलभूत सुविधाओं की पहुँच बढ़ाने में, देश के सामान्य मानवी का सपना पूरा करने में आपका बहुत बड़ा दायित्व है। आप बहुत बड़ी भूमिका अदा कर सकते हैं। ये एक ऐसा profession है जिस प्रोफेशन में समाज की पूरी अर्थव्यवस्था को बचाए रखना टिकाए रखने का सामर्थ्य है। इस प्रोफेशन में राष्ट्र को संबल बनाने का सामर्थ्य है।

मुझे पूरा विश्वास है कि नए भारत में विकास की गाथा लिखने की जिम्मेदारी आप लोग बखूबी निभाएंगे। आपके श्रम, सामर्थ्य और क्षमता से यह देश तीव्र गति से आगे बढ़ेगा।

विकसित भारत की जो आकांक्षा लेकर हम चल रहे हैं, वह समय से पूर्व पूरी होगी और भारत 2047 से पहले दुनिया में शिखर राष्ट्र होगा।

इसी आशा, अभिलाषा और विश्वास के साथ आप सबको बहुत बहुत शुभकामनाएं। जय हिंद, धन्यवाद।